वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 90 शुक्रवार 28 जुलाई 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विश्वमोहन भट्ट ने मोहनवीणा पर सजाए राग मल्हार के सुर

मेघ गर्जना, बिजली का कड़कना, मोर का बोलना जैसी आवाजों को सुरों से पिरोकर जयपुर का मौसम बनाया खास

जयपुर. कासं। देश-दुनिया के आला फनकार पद्मभूषण पं.विश्वमोहन भट्ट ने अपने 73वीं सालगिरह पर अपनी मोहनवीणा साज से राग मल्हार से सुरवर्षा कर उत्सवी सुरूर में इल्मदोस्त श्रोताओं को जमकर भिगोया। यहां क्लार्क्स आमेर के कंचन हॉल में चल रहे दो दिवसीय पं.मनमोहन भट्ट स्मृति संगीत समारोह और अवॉर्ड समारोह के आखिरी दिन पं.विश्वमोहन भट्ट ने ग्रैमी अवॉर्ड विनिंग स्वरचित कृति ए मिटिंग बाय द रिवर की प्रस्तुति में सलोने सात्विक सुरों से गुलाबी सावन में संगीत के इन्द्रधनुषी रंग बिखेरे, जिससे नजारा वाकई खुशगवार हो गया। पं. भट्ट ने अंगुलियों की बर्करफ्तारी से सलोने सुरों में मेघ गर्जना, बिजली का कड़कना, मोर का बोलना जैसी आवाजें पिरोकर रससिक्त कर दिया। फनकार पं.भट्ट ने राग मल्हार के छह प्रकार बजाकर साज मोहनवीणा की अद्भुत सृजनात्मक शक्ति को जाग्रत किया। इस दौरान मल्हार रागों की राग मालिका की उम्दगी से भी दानिशमंद श्रोताओं के दिलों को छू लिया। तबले पर राम कुमार मिश्रा ने संगति के दौरान बनारस की थाप-चांट का बेहतरीन बानगी पेश कर कार्यक्रम के रौनक भर दी।

राजस्थान मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट को नेशनल अवार्ड

प्रसव वॉच एप्लिकेशन के इनोवेशन पर मिला नेशनल पब्लिक हेल्थ एक्सीलेंस अवार्ड

जयपुर. कासं। मेडिकल हेल्थ डिपार्टमेंट राजस्थान और नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के तहत संचालित प्रसव वॉच एप्लिकेशन को चिकित्सा के क्षेत्र में अभिनव इनोवेशन के लिए नेशनल हेल्थ टेक इनोवेशन कॉन्क्लेव में राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल पब्लिक हेल्थ एक्सीलेंस अवार्ड मिला है। हेल्थ डिपार्टमेंट की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के प्रतिनिधि के रूप में यह अवार्ड राजस्थान फाउण्डेशन के रेजीडेन्ट कमिश्नर धीरज श्रीवास्तव और परियोजना निदेशक (मातृ स्वास्थ्य) डॉ. तरूण चौधरी ने प्राप्त किया। यह अवार्ड उत्तराखण्ड के चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत तथा पद्मश्री खेलरत्न एवं अर्जुन अवार्डी डॉ. दीपा मलिक की ओर से प्रदान किया। शुभ्रा सिंह ने बताया कि राजस्थान देश का पहला राज्य है, जिसमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत मातृ स्वास्थ्य अनुभाग द्वारा प्रमुख उच्च प्रसव भार वाले 360 हॉस्पिटलों पर हो रहे संस्थागत प्रसवों की डिजिटलाइज क्लिनिकल केयर एवं मॉनिटरिंग के लिए ‘प्रसव वॉच’ एप्लिकेशन संचालित की जा रही है। इसके जरिए इन मेडिकल इंस्टीट्यूशन पर हो रहे प्रसवों के लिए की गई क्लिनिकल केयर एवं प्रॉसिजर्स की ड्यूटी स्टाफ या डॉक्टर द्वारा रियल टाईम डेटा एन्ट्री प्रसव कक्ष और पीएनसी वार्ड में उपलब्ध करवाये गए टेबलेट पर की जाती है। उन्होंने बताया कि प्रसव वॉच एप्लीकेशन पर क्लिनिकल डेटा फीड करते समय ही सुझाव के रूप में आवश्यक संदेश भी अलर्ट के रूप में संबंधित स्टाफ को रियल टाईम प्रदर्शित होते हैं। इसमें यह भी शामिल होता है कि प्रसव के दौरान किस तरह की जटिलता होने की संभावना है और उसका निदान करने के लिए क्या संभावित कदम उठाये जाने हैं।

शहरी-ग्रामीण ओलंपिक के लिए अब तक 58.50 लाख रजिस्ट्रेशन

24.46 महिला खिलाड़ी होंगी शामिल, 5 अगस्त से 18 सितंबर तक चलेगा आयोजन

जयपुर. कासं

राजस्थान में पहली बार आयोजित होने जा रहे शहरी और ग्रामीण ओलंपिक में अब तक 58 लाख 50 हजार से ज्यादा खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन करवा लिया है। इनमें 24 लाख 46 हजार से ज्यादा महिला खिलाड़ी शामिल है। गुरुवार को ओलंपिक के आयोजन को लेकर खेल मंत्री अशोक चांदना ने समीक्षा बैठक ली जिसमें खेल विभाग के साथ स्वायत्त शासन विभाग, पंचायती राज विभाग और जिला प्रशासन से जुड़े अधिकारी भी मौजूद रहे। इस

दौरान 5 अगस्त से जिलेवार ओलंपिक के आयोजन को लेकर विभागवार अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई। खेल मंत्री अशोक चांदना ने कहा कि इस अनूठे आयोजन का मकसद राजस्थानयों को फिट और हिट रखना है। जिसमें राजस्थान के हर गली मोहल्ले गांव कस्बे और शहर के खिलाड़ियों ने रिकॉर्ड रजिस्ट्रेशन करवाया है। जो अपने आप में एक अनूठा रिकॉर्ड है। शहरी और ग्रामीण ओलंपिक के आयोजन से न सिर्फ राजस्थान की जनता स्वस्थ और तंदुरुस्त रहेगी। बल्कि, हम ज्यादा से ज्यादा बेहतर नेशनल और इंटरनेशनल खिलाड़ियों को भी खोज पाएंगे। जो भविष्य में न सिर्फ राजस्थान ही नहीं भारत का नाम दुनियाभर में रोशन करेंगे।

ओलिंपिक के लिए होंगे 130 करोड़ खर्च

शहरी और ग्रामीण ओलिंपिक के आयोजन को भव्य बनाने के लिए सरकार ने इस बार बजट में 90 करोड़ की बढ़ोतरी की है। जहां पिछले साल सरकार ने 40 करोड़ रुपए खर्च कर ग्रामीण ओलिंपिक का आयोजन करवाया था। वहीं इस बार शहरी और ग्रामीण ओलिंपिक के लिए कुल 130 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके तहत ब्लॉक, वार्ड और जिला स्तर पर खिलाड़ियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। वहीं, जिला स्तर पर पहुंचने वाले खिलाड़ियों को ड्रेस किट भी उपलब्ध करवाया जाएगा। गौरतलब है कि सीएम अशोक गहलोत ने शहरी और ग्रामीण खेलों में स्टेट लेवल पर जीतने वाली टीम के खिलाड़ियों के गांवों में मनरेगा से 50 लाख रुपए तक की लागत के स्टेडियम बनाने का फैसला किया है। इसके साथ ही इन खेलों में मेडल जीतने वालों के लिए सरकारी कॉलेजों में एडमिशन में प्रायोरिटी देने का प्रावधान करने पर विचार चल रहा है।

वैशाली नगर कांग्रेस मण्डल कमेटी की हुई बैठक

आगामी विधानसभा चुनाव के लिए कमर कसने का किया आह्वान

जयपुर. शाबाश इंडिया

झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के अन्तर्गत वैशाली नगर कांग्रेस मण्डल कमेटी की बैठक का बुधवार को आयोजन हुआ जिसमें

मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य अशोक शर्मा एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामगोपाल कटारिया मौजूद रहे। वैशाली नगर कांग्रेस मण्डल अध्यक्ष मोहित जैन ने अवगत कराया कि बैठक को पीसीसी सदस्य अशोक शर्मा एवं रामगोपाल कटारिया के साथ ही संरक्षक मदनलाल शर्मा एवं जयकुमार जैन सहित पार्षद विजेंद्र सैनी ने संबोधित करते हुए उपस्थित समस्त कार्यकर्ताओं से आगामी विधानसभा चुनाव के लिए एकजुट होकर कमर किसने कहा आह्वान करते हुए देश में फैल रहे नफरत के वातावरण को खत्म करने और आपसी सद्भाव एवं भाईचारा बढाने पर जोर दिया। मण्डल प्रवक्ता भरत लाखीवाल ने बताया कि स्थानीय विधायक और मंत्री लालचंद कटारिया के द्वारा क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों की मीटिंग में जमकर सराहना की गई और झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र को एक मॉडल विधानसभा क्षेत्र स्थापित करने के लिए मंत्री कटारिया के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। वैशाली नगर कांग्रेस मंडल की इस बैठक में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेन्द्र कायथवाल, वार्ड 64 के पार्षद राजू अग्रवाल, वार्ड 52 अध्यक्ष नीरज नाटाणी, सुरेश चतुर्वेदी, वार्ड 55 अध्यक्ष वरुण शर्मा, संगठन महामंत्री रणजीत सोनी, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सिराज अहमद खान, मंडल महामंत्री अनिल वर्मा, पार्षद प्रत्याशी कर्मवीर चौधरी, लालचन्द पीटीआई, श्यामा कंवर, चित्रांगी शर्मा, सारा चौधरी, विनोद कंवर, रेखा गुप्ता, स्नेहा त्रिपाठी, सुरेश सिंघवी, दिनेश द्विवेदी, राजेश अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, दीपिका जैन, कमलेश राठौड़, मधुसूदन शर्मा, अनिल शर्मा, अनिल वर्मा,भरत लाखीवाल, प्रियांश गुप्ता, पदम चन्द पहाड़िया, एस सी अग्रवाल, पदम कुमार अग्रवाल, प्रेम कुमावत, राजेंद्र सिंह शेखावत, कोमल नाटाणी, मोनिका चौधरी, कृष्णपाल सिंह शेखावत, विपुल जैन, दीपक जैन, पूनम चंद जैन, नितिन ठोलिया, गौरव जैन, पवन अग्रवाल, जे के जैन- कालाडेरा, गौरी शंकर शर्मा, सीए ऋषभ जैन, लालचंद यादव, राकेश जाजोरिया, रतन चोपड़ा, खेमचंद मुंडोतिया, दिव्या जैन, कवि शर्मा, मुकेश गुर्जर, विवेक वैष्णव, बाबूलाल मुंडोतिया, इंदर यादव, कैलाश बागड़ा, नवीन बामणिया, छोगालाल शर्मा, रामेश्वर देवन्दा, राजू गुप्ता, बालकिशन शर्मा, राजेंद्र मंडावरिया, रणवीर सिंह राजावत, जगदीश समोता, झिनेश कुमार, अभिषेक जैन, चेतन्य जैन सहित सैकड़ों कार्यकताओं ने भागीदारी की।

श्रेष्ठ पुण्य के साथ हम यहां से गमन करके उच्च स्थान प्राप्त करें: आचार्यश्री

सुभाष गंज में चल रही है धर्म सभा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

श्रेष्ठ पुण्य के साथ हम यहां से गमन करके बड़ी भक्ति से उच्च स्थान प्राप्त कर विदेह क्षेत्र की ओर अपनी यात्रा को ले जायें ये ध्यान हमारी आत्मा को पवित्र और पावन वनाने में सहयोगी वनाकर ये सम्यक ध्यान प्रवृत्ति से निवृत्ति की ओर ले जायेंगे हम प्रवृत्ति की ओर से निवृत्ति की साधना में अपना ध्यान लगा दें इसके लिए ना हमें हवेली चाहिए ना मोटर कार्वन दौलत चाहिए हमें तो केवल एकांत चाहिए ध्यान के लिए निरवयास क्षेत्र सबसे अच्छा कहा गया है जहां किसी का आना जाना ना हो जहां हम तत्वों का, पदार्थों का आत्मा के चिंतन में अपना उपयोग लगें तो अपने लक्ष्य की ओर वड़ते चले जायेंगे उक्त आश्य के उद्गार आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज ने सुभाषगंज मैदान में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए इसके पहले गत दिवस शाम को आचार्य भक्ति के वाद आचार्य श्रीआर्जवसागर जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में श्री सर्वोदय विद्यासागर पाठशाला की बहनों को मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने सम्मानित करते हुए कहा कि हमारी वहने छोटे छोटे वच्चो से लेकर लड़ो तक को पाठशाला के माध्यम से संस्कार दे रही है पाठशाला संस्कार देने वाली वच्चो की दूसरी मां है हमें इनके काम की सराहना करते हुए इनको प्रोत्साहित करना चाहिए इस दौरान आचार्य श्री ने कहा कि यहां की वेटियो के साथ ही महिलाएं भी पठन पाठन में आगे है पाठशाला बहुत अच्छी तरह से चल रही है इनको समय समय पर प्रोत्साहन तो मिलते रहना चाहिए उन्होंने कहा कि पाठशाला संस्कारो की जन्नी है जिन घरों से अभी पाठ शाला में वच्चे नहीं आते वे भी अपने वच्चो को पाठशाला भेजें तो आपके वच्चे यहां कुछ सीख सकेंगे। इसदौरान प्रश्न उत्तरीकार्यक्रम में सही उत्तर देने वाले को भी पुरुस्कार दिए गए। उन्होंने कहा कि मानव के जीवन में जन्म लेने के वाद संयम लेने की योग्यता आठ वर्ष अंतर मूहूर्त के बाद आती है आठ वर्ष अंतर मूहूर्त से कम में संयम ग्रहण नहीं किया जा सकता आचार्य श्री कुन्द कुन्द स्वामी ने छोटी उम्र ही दीक्षा

ग्रहण कर ली थी एक ही बस्तू से हम सुख दुःख हो सकतें हैं वह वस्तु जव हमारे अनुकूल होती है तो हमें सुख की अनुभूति होती है और जव वहीं वस्तु हमारे प्रतिकूल होती है उससे हम दुखी होने लगते है वस्तु सुख दुःख नहीं देती उससे जो हमें आनंद आता है उसमे सुख दुःख समाहित है जो कुछ भी होता है वह कर्मो के उदय से होता है हमें कर्म के उदय का चिंतन करते हुए अपने परिणामो को निर्मल वनाये रखना चाहिए।

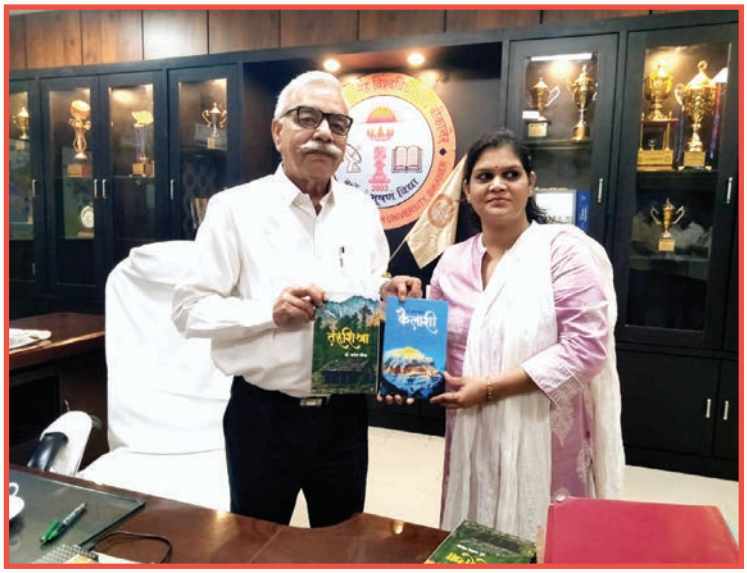

डॉ.कांता मीना की दो हिंदी काव्य संग्रह कैलाशी व तरुशिखा का लोकार्पण

लेखन कार्य लगातार जारी रखें: कुलपति सिंह

जयपुर. शाबाश इंडिया। शिक्षाविद् एवं साहित्यकार डॉ.कांता मीना द्वारा हिंदी भाषा में लिखित काव्य संग्रह कैलाशी व कहानी संग्रह तरुशिखा का लोकार्पण गुरुवार को महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय बीकानेर के कुलपति प्रो.विनोद कुमार सिंह व कुलसचिव आरएएस अरुण प्रकाश शर्मा ने किया। लोकार्पण के दौरान कुलपति सिंह ने कहा की विश्व विद्यालय के लिए बड़े गर्व की बात है कि विश्व विद्यालय की छात्रा रहीं डॉ.मीना ने हिंदी भाषा में दो कृतियां लिखी है जिनका में लोकार्पण में कर रहा हूं। दोनो कृतियों की लेखनी बहुत ही उम्दा है। आप लेखन कार्य लगातार

जारी रखें। कुलसचिव शर्मा ने कहा की दोनों कृतियां साहित्य जगत में परचम लहराएगी। डॉ.मीना को दोनों कृतियों की सफलता के लिए उज्ज्वल भविष्य की बधाई एवं शुभकामनाएं। लोकार्पण के समय विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो.विनोद कुमार सिंह,कुलसचिव अरुण प्रकाश शर्मा,परीक्षा नियंत्रक राजाराम चोयल, राजस्थानी भाषा के साहित्यकार डॉ. गौरी शंकर प्रजापत,शिक्षक संघ रेसटा के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद आदि मौजूद रहे। आभार सूर्य प्रकाशन मंदिर के निदेशक डॉ. प्रशांत बिस्सा ने व्यक्त किया। डॉ.मीना ने अपनी दोनों कृतियों स्वर्गीय पूज्य मातु व भाई श्री को समर्पित की है।

पांड्या का जिला अल्पसंख्यक मोर्चा मंत्री बनने पर स्वागत

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। वीर संदीप कुमार पान्डया कोषाध्यक्ष महावीर इंटरनेशनल यूथ सेवाभावी कर्मठ कार्यकर्ता को भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा जिला मंत्री बनाए जाने पर महावीर इंटरनेशनल संस्था परिवार कुचामन सिटी द्वारा उनके निवास पर जाकर तिलक माला साफा दुप्टा से स्वागत करते युवा अध्यक्ष आनंद सेठी सचिव विकास पाटनी वीर अध्यक्ष रामवतार गोयल सचिव वीर अजित पहाड़ियां कोषाध्यक्ष वीर सुरेशकुमार जैन सम्पत बगड़िया तेजकुमार बड़जात्या विशाल पारश अमित पहाड़ियां विशाल काला मनीष बज अभिषेक पाटनी मनीष अजमेरा सुरेश कुमार पान्डया गायक गौरव पाटनी स्वागत कर शुभकामनाए दी।

जैन मिलन द्वारा पौधारोपण समारोह संपन

राघौगढ. शाबाश इंडिया। जैन मिलन राघौगढ़ की स्थापना की 30 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में दिनांक 27 जुलाई 2023 को प्रातः9:30 बजे संत श्री सुधासागर धाम पार्क राघौगढ़ पर 30 पौधों का रोपण भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय कुमार जैन के मुख्य आतिथ्य, जैन समाज राघौगढ़ संरक्षक पवन कुमार जैन एवं क्षेत्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक भारिल्य के विशेष आतिथ्य में किया गया जैन मिलन राघौगढ़ के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार जैन ने सभी का स्वागत किया। जैन मिलन राघौगढ़ के मंत्री विकास कुमार जैन ने बताया है समाज सेवी संस्था जैन मिलन राघौगढ़ की स्थापना 17 अगस्त1993 को हुई थी। पिछले 30 वर्ष से संस्था पारमार्थिक, सांस्कृतिक, धार्मिक समाज सेवा के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभा रही है। राघौगढ़ में जैन मिलन की सहयोगी संस्थायें युवा जैन मिलन एवं महिला जैन मिलन भी निरंतर सक्रिय हैं। इस अवसर पर जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र कुमार जैन, जैन मिलन के कार्यकारी अध्यक्ष दिलीप कुमार जैन, युवा जैन मिलन के अध्यक्ष आकाश जैन, जैन मिलन के पूर्व अध्यक्ष सुभाष चंद्र चौधरी, ट्रस्ट कमेटी के सदस्य राकेश कुमार जैन मामा, प्रमोद कुमार चौधरी, संतोष कुमार जैन बलियत महिला जैन मिलन की अध्यक्ष अंतिम जैन, कार्यकारी अध्यक्ष, सुनीता जैन, दिगंबर जैन महासमिति महिला इकाई संभाग राघौगढ़ की अध्यक्ष अनीता जैन, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी राघौगढ़ की पूर्व अध्यक्ष विजय देवी जैन, सुषमा जैन बरसत, सुशीला जैन, सुमन जैन इन्दौरी, अदिति जैन,युवा जैन मिलन के उपाध्यक्ष रुपेश चौधरी, राजा चौधरी, हर्ष जैन, प्रचार मंत्री राजीव जैन, सहमंत्री अनिल जैन बलियत संजीव कुमार जैन पूर्व पार्षद, सुरेश चंद जैन जामनेर वाले, संदीप नंदन जैन, रोमी जैन, अजय कुमार जैन भरसूला वाले, रितेश जैन, जैन मिलन, युवा जैन मिलन, महिला जैन मिलन राघौगढ़ के सभी सदस्य वीर,वीरांगना युवा वीर सहित जैन समाज राघौगढ़ के वरिष्ठ जन उपस्थित थे।

वेद ज्ञान

जीवन एक अनपढ़ पत्थर

जन्म को जीवन समझ लेना भूल है। जन्म तो जीवन पाने का एक अवसर है। जीवन निर्मित करना होता है, उसका सृजन करना होता है। जन्म से मिला जीवन एक अनगढ़ पत्थर है। छेनी उठाकर मूर्तिकार बनना होगा तभी भीतर से जीवन निखरेगा। यह आप पर निर्भर है कि आप राम की मूर्ति बनोगे या रावण की, कृष्ण की मूर्ति बनोगे या कंस की। जीवन तो कोरा कागज है। चाहे उस पर गीत लिखो या गाली। रामायण लिखो या कुरान। गीता लिखो या बाइबिल। थोड़ा ध्यान जगे, थोड़ा प्रेम जगे, बस! क्रांति घटनी शुरू हो जाती है और जीवन में सृजन की अमृत-रस-धार निकल पड़ती है। मनुष्य और पशु दोनों नग्न पैदा होते हैं। वाणी के बगैर। पशु जैसे पैदा होता है वैसे मर जाता है। यानी नग्न पैदा होता है, नग्न बढ़ता है और एक दिन वह नग्न ही मर जाता है। मनुष्य पैदा होता है नग्न, किंतु जीवन यात्रा शुरू करते ही वह सुसंस्कृत होने लगता है। सजते, संवरते और परिष्कृत होते दिव्य लगने लगता है। यदि वह जीवन के सभी पक्षों को दिव्य बना लेता है तभी उसका जीना सार्थक है। धन, पद और प्रतिष्ठा को जिंदगी समझ लेना भीड़ में खो जाना है। यह जीवन न होकर कचरे का ढेर है। अपने को जगाओ, कचरा हटाओ और मन के स्वामी बनो तभी आप दिव्य मूर्ति बन सकोगे। ऐसा नवसृजित जीवन आपको भी आनंद देगा और अन्य को भी आनंदित करेगा। बासी घटनाओं की पुनरावृत्ति में आनंद कहां? कुछ नया बनने के लिए, कुछ नया करने के लिए व्यग्र होना ही मनुष्य की मनुष्यता है। निरंतर बेहतर दुनिया की तलाश में न निश्चित रूप से हां की मदद करता है। विष को विष के रूप में प्रस्तुत करना कुछ भी नया नहीं है। विष में रासायनिक परिवर्तन करके उसे जीवनदायिनी औषधि का रूप दे देना ही सृजन है। यह सृजन वैद्य और रोगी को आनंद देता है। जो है, उसी का ढिंढोरा पीटना नवसृजन न होकर अतीत ओर वर्तमान की दुरभिसंधि है। इस मशीनी युग में सृजन आनंद लुट-सा गया है। आनंद का अधिकारी चित्रकार है। चित्रकार जब तूलिका को हाथ में लेकर रंगों से खेलता है तब वह सृजन आनंद की मस्ती में डूब जाता है।

संपादकीय

उम्मीदों को पंख देने वाली खबरें

कुछ साल पहले तक सैनिक स्कूलों में पढ़ाई करना लड़कियों के लिए बस सपना भर था। लेकिन जब से सैनिक स्कूलों में लड़कियों के दाखिले की व्यवस्था शुरू की गई, उसके बाद बदलती तस्वीर ने फिर यही दर्शाया है कि अगर महिलाओं को अवसर मिले तो वे हर मोर्चे पर अपनी काबिलियत साबित कर सकती हैं। सैनिक स्कूलों में अब लड़कियों ने खासी संख्या में दाखिला लेना शुरू कर दिया है और एक तरह से इसे मुख्य रूप से पुरुषों की धारा में महिलाओं के एक और ठोस हस्तक्षेप के तौर पर देखा जा सकता है। दरअसल, सरकार ने एक सवाल के जवाब में सोमवार को राज्यसभा में यह जानकारी दी कि देश में तैंतीस सैनिक स्कूलों में बारह सौ निन्यानबे छात्राएं पढ़ रही हैं। इसके अलावा, विभिन्न संस्थानों की साझेदारी में खुले सैनिक स्कूलों में तीन सौ तीन अन्य छात्राएं भी पढ़ाई कर रही हैं। जिस दौर में विभिन्न कारणों से सामान्य स्कूलों में लड़कियों के बीच में पढ़ाई छोड़ने के मामले समाज और सरकार के लिए चिंता का कारण बन रहे हैं, उसमें सैनिक स्कूलों में छात्राओं की बढ़ती संख्या को निश्चित रूप से एक सकारात्मक दिशा की ओर बढ़ते कदम के रूप में देखा जा सकता है। गौरतलब है कि कुछ साल पहले सरकार ने एक प्रायोगिक परियोजना के तहत सैनिक स्कूलों में लड़कियों के प्रवेश को मंजूरी दी थी, तब इसे लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने की ओर एक ठोस पहलकदमी माना गया था। दरअसल, सैन्य क्षेत्र में महिलाओं के आगे बढ़ने को लेकर समाज में कई स्तर पर पूर्वाग्रह कायम रहे हैं और इसका असर भी सेना में बेहतर भविष्य का सपना देखने वाली लड़कियों पर पड़ता रहा है। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि कुछ वर्ष पहले तक महिलाओं को सेना में स्थायी कमीशन को लेकर कई स्तर पर अड़चनें मौजूद रहीं। लेकिन समय के साथ सेना में महिलाओं की उपस्थिति और उनकी काबिलियत एक जरूरत के तौर पर उभरी। इस क्षेत्र में काम करने के अमूमन हर मोर्चे पर महिलाओं ने अपनी क्षमता साबित की और उन्हें जो जगह मिल सकी, उसे उन्होंने अधिकार के तौर पर लिया। सैनिक स्कूलों में भी लड़कियों के दाखिले को लेकर अगर एक आग्रह बना हुआ था, तो उसका कोई ठोस आधार नहीं था। यह इससे भी साबित हुआ कि पिछले कुछ सालों में ही सैनिक स्कूलों में भारी तादाद में लड़कियों ने दाखिला लिया और अब यह संख्या सोलह सौ से ज्यादा पहुंच गई है। दरअसल, लोकतंत्र में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने के सूत्र पर काम करने वाली सरकार को यह ध्यान रखना पड़ता है कि समाज का कौन-सा हिस्सा किसी क्षेत्र में मुख्यधारा से वंचित है और किसे किस तरीके से सशक्त बनाया जा सकता है। इस लिहाज से देखें तो हर क्षेत्र में विकास के बीच आज भी महिला सशक्तीकरण और इसके जरिए लैंगिक समानता कायम करना वक्त का तकाजा है।

परिदृश्य

उग्र प्रदर्शन...

सरकार के सामने अपनी मांग रखना नागरिकों का लोकतांत्रिक अधिकार है, मगर शायद लोग अब भूलते जा रहे हैं कि इसका भी लोकतांत्रिक तरीका होता है। अब जैसे मामूली मांगों पर भी हिंसा के जरिए दबाव बनाना एक चलन-सा बनता जा रहा है। कुछ समय तक लोग मांग उठाते हैं, धरना-प्रदर्शन करते हैं, फिर अचानक हिंसा पर उतर आते हैं। मेघालय में भी यही हुआ। सोमवार रात को अचानक भीड़ ने मुख्यमंत्री सचिवालय पर हमला कर दिया, पत्थरबाजी शुरू कर दी। उसमें पांच पुलिसकर्मियों को चोटें आई। भीड़ पर काबू पाने के लिए आंसू गैस के गोले दागने पड़े। बताया जा रहा है कि तुरा शहर को शीतकालीन राजधानी बनाने की मांग पर लंबे समय से आंदोलन चल रहा है, उसी को लेकर भीड़ ने यह हमला किया। इस मांग को लेकर आंदोलन चलाने वाले दो समूह प्रमुख हैं- अचिक कान्सियस होलिस्टिकली इंटीग्रेटेड क्रिमा और गारो हिल्स स्टेट मूवमेंट कमेटी। सोमवार शाम को इन दोनों संगठनों के नेताओं से मुख्यमंत्री कोनराड संगमा अपने कार्यालय में बातचीत कर रहे थे। उसी दौरान लोगों की भीड़ ने कार्यालय पर हमला कर दिया। अब पुलिस ने हमला करने वालों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करना शुरू कर दिया है। पहाड़ी राज्यों में दो राजधानी होना कोई नई बात नहीं है। मेघालय के लोगों का भी तर्क है कि जिस तरह जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में शीतकालीन राजधानी अलग हैं, उसी तरह उनके यहां भी तुरा शहर को शीतकालीन राजधानी बनाया जाए। उत्तराखंड में भी गैरसैण को राजधानी बनाने की मांग को लेकर आंदोलन चलते रहते हैं। दरअसल, राजधानी बनने से संबंधित शहर की कानून-व्यवस्था पर भी असर पड़ता है। स्वाभाविक ही वहां की प्रशासनिक व्यवस्था दूसरे शहरों की तुलना में चुस्त-दुरुस्त होती है। फिर राजधानी बनने से उस शहर में व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ जाती हैं। रोजगार के नए अवसर बनते हैं। इसलिए स्वाभाविक ही कई जगह लोग अपने शहर में राजधानी की तरह की कानून-व्यवस्था चाहते हैं। मगर मेघालय में जिस तरह इस मांग को हिंसक रूप देने का प्रयास किया गया, उसे किसी भी रूप में लोकतांत्रिक तरीका नहीं कहा जा सकता। अब इस घटना में शामिल लोगों की जिस रूप में पहचान हो रही है, उससे स्पष्ट है कि इस आंदोलन को राजनीतिक रूप देकर सत्तापक्ष को बदनाम करने और उस पर दबाव बनाने का प्रयास किया गया। गिरफ्तार लोगों में दो भाजपा महिला मोर्चा के सदस्य भी हैं, दो तृणमूल कांग्रेस से जुड़े लोगों की तलाश जारी है। नागरिक आंदोलनों को राजनीतिक दलों द्वारा हड़पा जाना या उन्हें गुमराह कर अपने पक्ष में लाभ लायक बना लेना कोई नई बात नहीं है। अक्सर सत्तापक्ष पर दबाव बनाने या उसे बदनाम करने की नीयत से विपक्षी दल नागरिक आंदोलन को हिंसक बना देने का प्रयास करते देखे जाते हैं। इसलिए इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि मेघालय में भी ऐसा ही हुआ हो। मगर इसके उलट यह भी देखा जाता है कि जब भी कोई नागरिक आंदोलन किसी भी वजह से हिंसक रूप ले लेता है तो सत्तापक्ष उसमें अपने विपक्षियों का नाम शामिल कर अपनी कमजोरियों को ढंकने का प्रयास करता है।

महिला जैन मिलन द्वारा द्रव्य भेंट

जर्नलिस्ट मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। महिला जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 10 नेहानगर ने समोशरण महामंडल विधान के लिए द्रव्य भेंट की । परम पूज्य आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की परम प्रभाकर शिष्या आर्यिका मां अकम्प मति माताजी ससंघ का चातुर्मास श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर नेहानगर में धर्म प्रभावना पूर्वक चल रहा है ,उसी दौरान आर्यिका श्री के मंगल सान्निध्य में ब्र. संजीव भैया कटंगी के निर्देशन में श्री 1008 समवशरण महामंडल विधान का आयोजन सकल दिगंबर जैन समाज नेहानगर के द्वारा किया गया । जिसमें महिला जैन मिलन नेहानगर की वीरांगनाओ द्वारा द्रव्य के थाल सजाकर द्रव्य समोशरण विधान के लिए द्रव्य भेंट की । इस विधान में वीरांगनाओं ने विधान सहभागिता कर पुण्य अर्जित किया और भक्ति भाव से प्रभु की आराधना की। पूज्य आर्यिका श्री ने आचार्य श्री के जीवन के बहुत से संस्मरण सुनाए और आचार्य श्री रचित मूक माटी ग्रंथ के बारे में बताया। माताजी ने बताया की विधान पूजन में जो भी श्रावक बैठते हैं उनके जीवन में विशुद्धी आती है। शुभ कर्मों का संचय होता है ,इसलिए सभी को पूजन- विधान में शामिल होना चाहिए। प्रतिदिन हमारे द्वारा जाने - अनजाने में पाप संचय होता है तो इसका नष्ट करने के लिए, शुभ कर्म करना जरूरी है जैसे हम पूजन विधि - विधान षट् आवश्यक के द्वारा हमें सही दिशा प्राप्त हो सकती है ।

सत्य की कठिन परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाला का ही जग में होता नामः इन्दुप्रभाजी म.सा.

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बच्चें मन के सच्चे होते है उन्हें कभी झूठ बोलना मत सिखाओ। हमे झूठ बोलता देख वह भी भविष्य में ऐसा करने लगेगे ओर हमे ही उपदेश देंगे। राजा हरीशचन्द्र जैसे महापुरूषों को सत्य के प्रति निष्ठा के कारण आज भी याद किया जाता है। सत्य की राह कठिन हो सकती लेकिन हार कभी नहीं होती। सत्य की कठिन परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाला का ही जग में नाम होता है। ये विचार भीलवाड़ा के चन्द्रशेखर आजादनगर स्थित रूप रजत विहार में गुरूवार को मरूधरा मणि महासाध्वी श्रीजैनमतिजी म.सा. की सुशिष्या महासाध्वी इन्दुप्रभाजी म.सा. ने नियमित चातुर्मासिक प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बच्चों में त्याग की प्रवृति का विकास करें। जहां त्याग वहां सुख ओर जहां भोग होता है वहां दुःख होता है। अहिंसा हमारा मार्ग है ओर जीवन से मुक्ति भी अहिंसा की राह पर चलकर ही मिल सकती है। साध्वीश्री ने कहा कि जीवन में उच्च विचारों के साथ आत्मा को निखारने वाला ही श्रेष्ठ होता है। हमारे कर्म ऐसे हो जो हमारी आत्मा के कल्याण में सहायक हो। उन्होंने जैन रामायण के विभिन्न प्रसंगों की चर्चा करते हुए बताया कि किस तरह मारूत, रावण व वसु एक साथ पढ़ाई करते है। रावण के समय ही हिंसक प्रवृतियां शुरू होती है जो दुनिया में आज तक चल रही है। धर्मसभा में मधुर व्याख्यानी दर्शनप्रभाजी म.सा. ने कहा कि जीवन में त्याग, भाग्य, व्रत, प्रेम, कर्म, धर्म जैसे ढाई अक्षर ही सबसे महत्वपूर्ण होते है। जो इन ढाई अक्षर को पढ़ कर समझ ले ओर अपने जीवन में उतार ले वह पंडित बन जाता है।

AMBITION

KIDS ACADEMY

(A Govt. Recognisad English Medium Co-Educational School)

Organized by

Digamber Jain Social Group Federation (RAJ.) &

Digamber Jain Social Group Teerthankar

+EYE FLUE CAMP+

28

DATE- FRIDAY

JULY 2023

Place:

AMBITION KIDS ACADEMY

62/121, PRATAP NAGAR, SANGANER

TIME: 9.00 AM TO 10.00 AM

Contact: Dr. Manish- 9828088810

Dr. M.L. Jain 'Mani'

(Renaound International Homoeopath)

And Chairman Ambition Kids Academy Mob.: 8949032693

धर्म का तात्पर्य आत्मा की पवित्रता से है: मुनि शुद्ध सागर

विमल जोला. शाबाश इंडिया

निवाई। श्री दिगम्बर जैन बिचला मंदिर स्थित शांतिनाथ भवन में चातुर्मास कर रहे परम पूज्य मुनि श्री शुद्ध सागर जी महाराज ने अपने दैनिक प्रवचनों मे कहा कि धर्म राग मे नहीं वीतरागता मे है धर्म क्रिया काण्ड मे नहीं मन वचन काय की पवित्रता मे है। मुनि श्री शुद्ध सागर महाराज शांतिनाथ भवन में बुधवार को प्रवचन कर रहे थे उन्होंने कहा कि धर्म का सम्बंध शरीर से नहीं आत्मा से है। धर्म खाने पीने मौज उडाने मे नहीं, धर्म तो संयम तप और त्याग मे हैं।

धर्म एक ऐसा मित्र है जिसने आज तक न धोखा दिया है, न दे रहा है, और न कभी भविष्य में दे सकता है। उन्होंने कहा कि धर्म का तात्पर्य आत्मा की पवित्रता से है अर्थात राग द्वेष मोह, स्वार्थ वासना,ईष्या कषायादि भावों से रहित आत्मा की निर्मल परणति का नाम ही धर्म है।

वास्तविकता तो यह है कि कर्म और धर्म में महान अंतर है जो स्वाभाविक होता है वह धर्म है, और जो मान मयार्दाओ मे रुढि परम्पराओं मे बंध कर किया जाता है वह कर्म है। मुनि श्री ने कहा कि धर्म अंतरंग परणति से जुड़ा हुआ है और कर्म बाह्य शारीरिक क्रियाओं से सम्बंधित है। धर्म जाग्रत होता है और कर्म थोपा जाता है। चातुर्मास कमेटी के प्रचार संयोजक विमल जौंला ने बताया कि प्रवचन सभा से पूर्व आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज की तस्वीर के समक्ष श्रद्धालुओं ने दीप प्रज्वलित कर मंगलाचरण किया। सभा के पश्चात मुनि श्री के समक्ष आचार्य श्री का महावीर प्रसाद पराणा पुनित संधी राकेश संधी संजय जैन नवरत्न टोंग्या हेमचंद संधी धर्म चंद चंवरिया सहित अनेक श्रद्धालुओं ने अर्ध्य चडाकर पूजा अर्चना की।

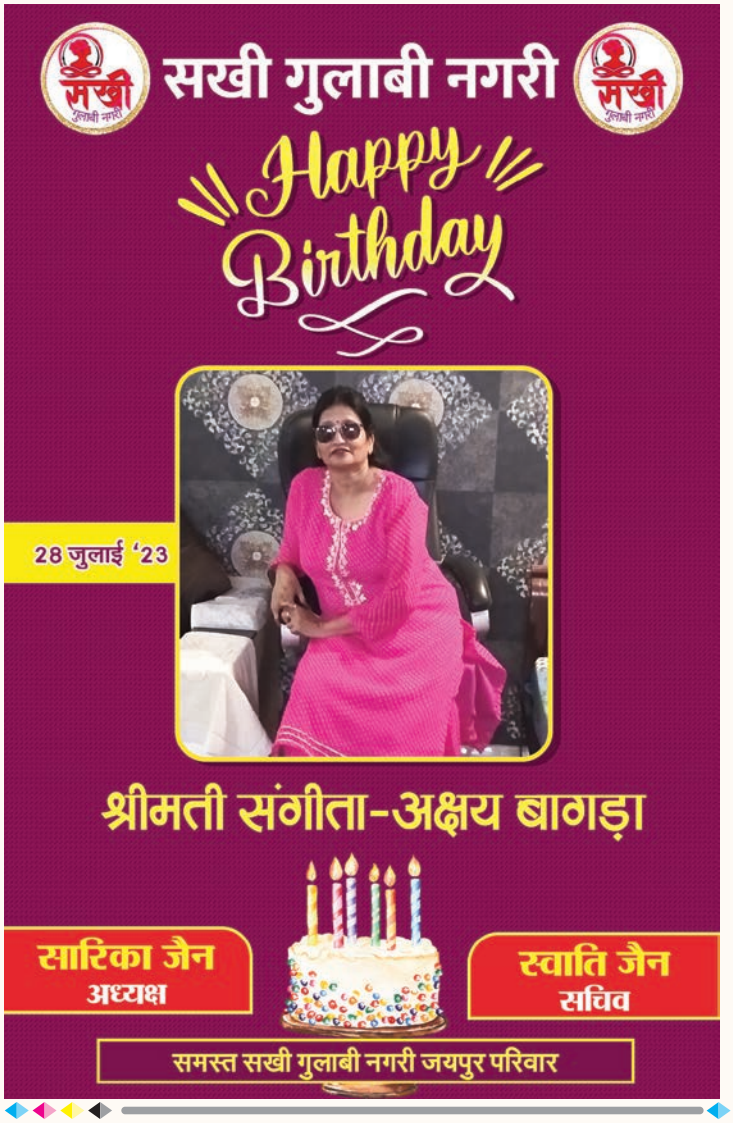

सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र के अध्यक्ष नरेंद्र जैन पप्पाजी एवं कार्याध्यक्ष सुरेश काला मनोनीत

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

डोंगरगढ़ छतीसगढ श्रमण संस्कृति के संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से नेमावर में निर्मित सुदर्शनीय जैन तीर्थ सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र ट्रस्ट नेमावर के चुनाव ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं आमंत्रित ट्रस्टीयों की उपस्थिति में डोंगरगढ़ छतीसगढ में संपन्न हुए जिसमें इंदौर की दिगंबर जैन समाज के दानवीर परिवार के वरिष्ठ समाजसेवी नरेंद्र कुमार जैन पप्पाजी को सर्व सम्मति से सिद्धोदय सिद्ध क्षेत्र ट्रस्ट नेमावर का अध्यक्ष, सुरेश काला खातेगांव को कार्याध्यक्ष एवं सुरेंद्र जैन बीजेपी को महामंत्री मनोनीत किया गया। मनोनयन के तुरंत बाद डोंगरगढ़ में विराजमान आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज को अवगत करने सभी सदस्य एवं मनोनीत पदाधिकारियों ने आचार्य श्री के कक्ष में पहुंचकर श्रीफल समर्पित कर उन्हें अवगत कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आचार्य श्री ने सर्वसम्मति से निर्वाचन होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मनोनीत पदाधिकारियों को दोनों हाथों से आशीर्वाद दिया। स्मरणीय है कि मनोनीत अध्यक्ष नरेंद्र जैन के बड़े भ्राता सुंदर लाल बीड़ी वाले सिद्धोदय ट्रस्ट के 20 वर्ष तक अध्यक्ष रहे और उनके कार्यकाल में ही तीर्थ का सर्वाधिक निर्माण कार्य हुआ, लेकिन डेढ़ वर्ष पूर्व उनका निधन हो जाने के बाद संजय जैन मैक्स को अध्यक्ष मनोनीत किया गया था लेकिन उनका भी हाल ही में निधन हो जाने से नरेंद्र को अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। जैन के मनोनयन पर इंदौर की दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी, सोशल ग्रुप फेडरेशन अध्यक्ष राकेश विनायका, महावीर ट्रस्ट के अध्यक्ष अमित कासलीवाल, दिगंबर जैन परवार समाज के अध्यक्ष राजेश लारेल, हंसमुख गांधी, सुशील पांडया, डॉक्टर जैनेंद्र जैन, राजेश जैन दद्दू संजीव जैन संजीवनी, टीके वेद, मनोज बाकलीवाल परवार समाज महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन, सचिव सारिका जैन आदि समाज के वरिष्ठ जनों ने नरेंद्र जैन पपाजी को बधाई दी।

लाल डायरी पूरी कांग्रेस का डिब्बा गोल करेगी : मोदी

सुशील चौहान. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान में हाल ही में चर्चा में आई लाल डायरी का जिक्र करते हुए कहा कि लाल डायरी कांग्रेस का डिब्बा गोलरकरेगी। यह बात प्रधानमंत्री मोदी ने सीकर में भाजपा की आओर से आयोजित जन सभा को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने राजस्थान की सत्ता धारी दल पर पेपर लीक माफिया का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राजस्थान में पेपर लीक उधोग चल रहा हैं। मोदी ने कहा कि लाल डायरी के पन्ने खुलेंगे तो अच्छे-अच्छे निपटेंगे। अब कांग्रेस अपने सहयोगियों के दल का नाम बदलकर कर जनता को गुमराह करने आ रहे हैं। यूपीए से अब आईं एन डी आई ए यानी इडिया बनाया हैं। भाजपा सरकार बनते ही भ्रष्टाचारियों की खैर नहीं होगी।

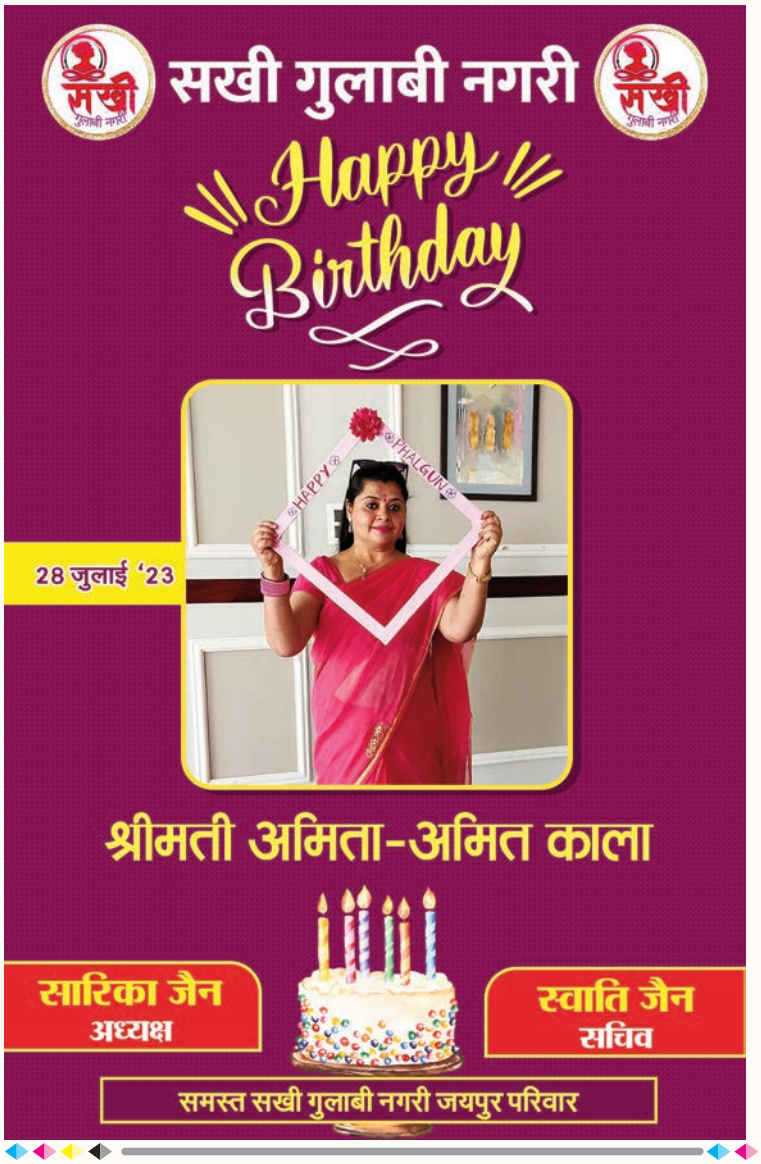

शांति व्यवस्था हेतु शांति समिति व सीएलजी सदस्यो की मीटिंग

मोहर्रम व कावड़ियो की वजह से कानून व्यवस्था पर नजर रखने पर जोर

अनिल पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। थाना क्रिश्चियनगंज पर सीएलजी सदस्य , शांति समिति सदस्य, सुरक्षा सखी, पुलिस मित्र सदस्यो की मीटिंग का आयोजन क्रिश्चियन गंज थाना स्थित बाल मित्र कक्ष में राजस्थान प्रशासनिक सेवा के प्रोबेशनर अधिकारी श्री कार्तिकेय लाटा व सर्किल इंस्पेक्टर श्री करण सिंह खंगारोत की अध्यक्षता मे किया गया। मीटिंग में क्षेत्र के गणमान्य सदस्य भी उपस्थित थे। गणमान्य सदस्यो से इलाका थाना की कानून व्यवस्था, शांति व्यवस्था सम्बंधी विषयो पर विचार विमर्श किया गया। आने वालों त्योहारो मे मोहर्रम, कावड़ियो की सुरक्षा, कावड़ियो के साथ डीजे की वजह से शोर शराबा रोकने ,तेज आवाज तेज स्पीड ,मुह पर कपड़ा बांध कर बाइक चलाने व आने वाले अन्य उत्सव के आयोजन को लेकर चर्चा की गई। जिला स्तरीय शांति समिति के सदस्य कमल गंगवाल एवम् गजेंद्र पंचोली ने बताया कि मीटिंग में संभावित वर्षा की चेतावनी के मद्देनजर सतर्कता, बचाव एवम् जागरूकता के लिए सुझाव रखे गए । अपने अपने क्षेत्र में जलभराव क्षेत्र में बच्चो को नाले, गड्ढे, पानी से दूर रखने पर जोर दिया। सभी सदस्यगण ने अपने-अपने विचार रखे । रियान इंटरनेशनल स्कूल के पास, वैशालीनगर स्थित पेट्रोल पंप के सामने आनासागर पाथ वे पर अराजक तत्वो की गतिविधियो पर निगाह रखने के लिये संबधित बीट अधिकारियों को निर्देश दिये गये ।क्षेत्र की कानून व्यवस्था व शांति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले लोगों की सूचना गोपनीय रूप से पुलिस को देने बाबत बताया गया । इस अवसर पर थानाधिकारी करणसिंह खंगारोत ने थाना क्षेत्र की गतिविधियों से अवगत कराते हुए हर क्षेत्र में पुलिस व क्षेत्रवासियों के साथ सामूहिक बैठक कर सुरक्षा के उपाय करे। साथ ही सभी क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे अपने अपने घरों में व अपने प्रतिष्ठानों में नितांत आवश्यक है व अपने आस पड़ोसियों को भी इसके लिए प्रेरित करें। इस दौरान उपस्थित सदस्यो ने थानाधिकारी करणसिंह को उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशंसा की। मीटिंग में कमल गंगवाल, गजेंद्र पंचोली, राज कुमार गर्ग, राजेश जादम, सोनीया शर्मा, डॉ दीपा अग्रवाल, बबिता इनानी, विजय पांड्या, अनिल पाटनी , मनोज अग्रवाल, चंद्र प्रकाश, गजेंद्र शर्मा, इंदु शर्मा, पार्वती सोनी, प्रवीन कुमार जैन सहित अन्य उपस्थित थे ।

भगवान ऋषभदेव जन्म भूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ कल भरतपुर जिले में करेगा प्रवेश

अलवर भरतपुर की सीमा पर स्थित सीकरी जैन समाज द्वारा किया जाएगा स्वागत

भरतपुर. शाबाश इंडिया

भगवान ऋषभदेव के साथ पांच तीर्थंकरों की जन्मभूमि के विकास हेतु परम पूज्य आर्यिका शिरोमणि गणिनी श्री ज्ञानमती माताजी के निर्देशन में भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का प्रवर्तन संपूर्ण भारतवर्ष में हो रहा है जिसका मंगल आगमन 28 जुलाई को राजस्थान के पूर्वी सिंह द्वार भरतपुर जिले में होगा। जहां अलवर भरतपुर की सीमा पर सीकरी जैन समाज द्वारा स्वागत किया जाएगा तो वही भरतपुर जिले में 7 दिन का प्रवास रथ का रहेगा इस दौरान सीकरी पहाड़ी बोलखेड़ा, कामा, जुरहरा, डीग, कुम्हेर, भरतपुर, बयाना में रथ प्रवर्तन होगा। युवा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन एवं प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन जयपुर को रथ संयोजक नियुक्त किया गया है।

युवा परिषद के प्रदेश संयुक्त महामंत्री संजय जैन बड़जात्या ने कहा की रथ के आगमन को लेकर भरतपुर जिले की जैन समाजों में काफी उत्साह नजर आ रहा है सभी जगह रथ प्रवर्तन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

सन्मति ग्रुप के 40 सदस्य चार दिवसीय धार्मिक यात्रा पर रवाना

नाकोड़ा, पावापुरी तीर्थ के करेंगे दर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति के 40 सदस्य चार दिवस की नाकोड़ा, जीरावाला, पावापुरी यात्रा पर 27 जुलाई को रवाना हुए। ग्रुप अध्यक्ष राकेश - समता गोदिका ने बताया कि ग्रुप संरक्षक दर्शन विनीता जैन यात्रा के मुख्य समन्वयक तथा ग्रुप उपाध्यक्ष विनोद - हेमा सोगानी व चक्रेश - पिंकी जैन को समन्वयक बनाया गया है। सचिव अनिल - निशा संघी के अनुसार 27 जुलाई को दोपहर 2 बजे यह दल महावीर नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर से इस दल को रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, निवर्तमान अध्यक्ष यश कमल अजमेरा, संस्थापक अध्यक्ष अनिल जैन , फेडरेशन के कार्याध्यक्ष सुरेंद्र पांड्या, नवीन सेन जैन, रीजन उपाध्यक्ष सुनील बज, महासमिति के रीजन कोषाध्यक्ष रमेश सोगानी आदि अनेक गणमान्य नागरिकों ने मंगल कामना के साथ रवाना किया। इस अवसर पर ग्रुप कार्याध्यक्ष मनीष लोंग्या, सयुक्त सचिव राजेश छाबड़ा, नितेश पांड्या, सुधीर गोधा आदि अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

जैन सोशल ग्रुप जनक संगिनी द्वारा वृद्धाश्रम में सेवा कार्य किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप जनक संगिनी द्वारा सामाजिक सेवा के तहत जौहरी बाजार महिला समिति द्वारा संचालित ओल्ड ऐज होम में सभी निवासियों को जनक संगिनी द्वारा बिस्किट नमकीन कुकीज और ग्रीनरी के लिए पीधे और गमले गिफ्ट किए पीआरओ मीनाक्षी जैन ने बताया की उनके साथ बिताये पल से वो सभी बहुत खुश थे। अध्यक्ष कविता जैन ,आईपीपी रश्मि जैन सेक्रेटरी निधि, ट्रिजरर स्मिता ,मन्नु बेला, नेहा आदि उपस्थित थी।

उज्ज्वल राजस्थान आत्मनिर्भर भारत 2023

तीन दिवसीय प्रदर्शनी प्रारम्भ

एक ही छत के नीचे अनेक गुणकारी और उपयोगी उत्पाद किफायती मूल्यों पर उपलब्ध

उदयपुर. शाबाश इंडिया। भारत सरकार की ओर से तीन दिवसीय उज्ज्वल राजस्थान आत्मनिर्भर भारत 2023 प्रदर्शनी होटल इंदर रेजिडेंसी में गुरूवार को शुरू हुई। प्रथम दिन स्कूली विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी में आकर विभिन्न विषयों की जानकारी प्राप्त कर अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। प्रदर्शनी संयोजक (दिल्ली विजुअल) के मीतू पाल एवं मनीष गुप्ता ने बताया कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य आमजन सहित विद्यार्थियों और किसानों को सरकारी योजनाओं के साथ जोड़ना है। उन्होंने बताया कि सरकारी स्तर पर कई तरह की कार्य योजनाएं, सुविधाएं और सहायता प्रदान की जा रही है लेकिन आमजन को इसकी जानकारी नहीं होने की वजह से वह इनका पर्याप्त लाभ नहीं उठा पाते हैं। यहां इस प्रदर्शनी में एक ही छत के नीचे भारत सरकार और राज्य सरकार के विभिन्न डिपार्टमेंट एवं कई औद्योगिक संस्थानों के उपक्रमों की 50 से ज्यादा स्टॉल्स लगी है। प्रदर्शनी के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में 50 से ज्यादा स्टॉल लगी हुई है जिनमें इसरो, डीआरडीओ, हैंडीक्राफ्ट्स, एमआरसीआर, भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण, डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी, केंद्रीय भेड़ एवं ऊन संस्थान, स्पोर्ट्स बोर्ड, आशा महिला मिल्क और हुडको प्रमुख हैं। बता दें, यह प्रदर्शनी 29 जुलाई तक रोजाना सुबह 10 से शाम 5 बजे तक देखी जा सकती है। इतना ही नहीं इस प्रदर्शनी में बेहद किफायती मूल्यों पर अनेक गुणकारी और उपयोगी उत्पाद भी खरीदे जा सकते हैं। रिपोर्ट/ फोटो : राकेश शर्मा 'राजदीप'

तीर्थ समाज के होते प्राण : गुरू माँ विज्ञाश्री माताजी

गुंशी, निवाई. शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका रत्न 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ का 29 वां साधनामय चातुर्मास श्री दिगंबर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी , जिला - टोंक (राज.) में चल रहा है। आज श्री श्री 1008 शांतिनाथ विधान करने का सौभाग्य श्री विकास जी सरला जैन नोएडा वालों ने प्राप्त किया । चातुर्मास के अंतर्गत विविध धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम चला आ रहा है। आगामी 2 अगस्त 2023 बुधवार के दिन पूज्य गुरु मां का 51 वाँ स्वर्ण जयंती महोत्सव (समापन) के शुभ अवसर पर होगा 51 परिवारों के द्वारा श्री श्री 1008 शांतिनाथ महानुष्ठान (विधान)। साथ ही गुरु भक्त परिवार के द्वारा गुरु गुणगान , गुरु मां की अष्टद्रव्य का थाल सजाकर पूजन , पाद प्रक्षालन , शास्त्र भेंट , वस्त्र भेंट का आयोजन होगा । श्री दिगंबर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ पर यात्रियों को सुविधा के लिए नवनिर्मित भोजनालय का उद्घाटन होने जा रहा है। माताजी ने प्रवचन देते हुए कहा कि - तीर्थ समाज के प्राण होते हैं। समाज के हित में कारण तीर्थ ही हुआ करते हैं। तीर्थों की रक्षा , संवर्धन और हित के लिए प्रयास करना समाज का ही कर्तव्य है । इसी कर्तव्य का निर्वाह करने से आत्म कल्याण की सिद्धि होती है। आज हम अपने कार्यों में इतने व्यस्त हो गये कि अपने कर्तव्यों को भूलते जा रहे। जिस कारण हमारी प्राचीन संस्कृति, तीर्थ, शास्त्र आदि का लोप होता जा रहा है । हमें एकता के सूत्र में बंधकर इनकी रक्षा का प्रयत्न करना चाहिए।

अंहकार और घमंड ही मनुष्य का पतन करता है: साध्वी धर्मप्रभा

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नाई। अंहकार और घमंड ही व्यक्ति के जीवन का पतन करता है। गुरूवार को साहूकार पेठ में महा साध्वी धर्मप्रभा ने श्रोताओं को धर्मसंदेश देतें हुए कहा कि धर्म और जमीन से जुड़ा व्यक्ति जीवन मे उपलब्धिया प्राप्त करले बाद भी व घमंड और अंहकार को अपने उपर हावी नहीं होने देता है। परन्तु आज मनुष्य चंद उपलब्धियाओ और धन को पाकर स्वयं को भगवान समझ रहा है ।वो सोचता कि दुनिया मेरे ही भरोसे पर चल रही है । संसार में किसी के होने नहींहोने पर किसी को कौई फर्क नहीं पड़ने वाला,दुनिया कल पर चल रही थी आज भी चल रही है,और आगे भी इसी तरह चलती रहेगी। कभी मनुष्य ने सोचा है कि सूर्य, चंद्रमा,धरती,आकाश और वायु जिनके बल बूते पर मनुष्य का जीवन गतिमान है मगर उन्हें कभी न इस बात को जताया ना ही कभी गुमान किया है । तो मनुष्य के पास ऐसा है, क्या जो वो घमंड कर रहा है । मैं और मेरा इन दो चीजों ने तो अच्छे अच्छो को पतन का रास्ता दिखाया है ।दौलत,शोहरत,सोंदर्य ज्ञान,बुध्दि,बल या एक जमीन के छोटे से टुकड़े पर क्या यह सब मनुष्य अपने साथ ले जा सकता है? जो सूर्य हमे प्रकाश देता और धरती हमे धारण करके रखती है, चन्द्रमा ओषधि और शीतला प्रदान करता है फिर इन्हें स्वंय पर अभियान और घमंड नही है तो मनुष्य को अंहकार और घमंड नही करना चाहिए वरना मनुष्य अपने जीवन का पतन कर लेगा। इसदौरान साध्वी स्नेहप्रभा ने कहा कि जैसा खाओगे अन्न वैसा होगा मन, भोजन का अनादर मत करना वरना अन्न रूठ गया तो जीवन मे अन्न को खाने को तरस जाओगे ।जो मनुष्य भोजन को भगवान का प्रसाद समझ कर ग्रहण करते है।

जनता कॉलोनी के जनोपयोगी भवन में श्रीराम कथा

दुर्लभ है मनुष्य भव का मिलना: पुरुषोत्तम शरण महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनता कॉलोनी स्थित जनोपयोगी भवन में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव के दूसरे दिन गुरुवार को व्यासपीठ से पूज्य पुरुषोत्तम शरण महाराज ने कहा कि मनुष्य भव बहुत दुर्लभ है,यह भव हम सभी को 84 लाख योनियों में भ्रमण करने के बाद मिलता है। इस भव का लाभ उठाकर हम सभी को अपना तन-मन व धन ईष्वर की पूजा भक्ति में समर्पित कर देना चाहिए। मनुष्य भव बहुत अनमोल है,जो बड़े भाग्योदय से प्राप्त होता है,इस भव का लाभ उठाकर हमें अपना जीवन ईष्वरीय आराधना के लिए समर्पित कर देना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि जीवन में हमें जो भी मिला है,उसमें संतोष धारण कर इस मनुष्य भव प्राप्ति के लिए ईष्वर के प्रति कृतार्थ की भावना भाना चाहिए

और कभी भी धन,विद्या,बल आदि का अहंकार नहीं करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अहंकार की भावना को त्यागकर परोपकार की भावना के साथ कार्य करना चाहिए। जीवन में निष्काम भाव से की गई भक्ति सदैव कारगर होती है। कथा प्रसंग के तहत महाराज श्री ने सती चरित्र का भाव पूर्ण विवेचना करते हुए कहा कि विवाह के बाद पति का घर ही अपना घर होता है, पति की आज्ञा ही सर्वोपरि होती है। माता सती भोले बाबा के मना करने पर भी माता-पिता से मोह वश बिना निमंत्रण माता पिता के घर चली गई।उसका परिणाम अच्छा नही हुआ। कुछ अहंकारी लोग कोई आयोजन सिर्फ किसी को अपमानित करने , नीचा दिखाने के लिए करते है, इसका परिणाम भी बुरा होता है। राजा दक्ष में शंकर जी को आमंत्रित नहीं कर अपमानित करने के उद्देश्य से यज्ञ आयोजन किया। परिणाम सर्वनाश के रूप में सामने है। उन्होंने आगे कहा कि जो आत्म हत्या कर लेता है,उसका उद्धार नहीं होता है किसी भी परिस्थिति सामने हो, अपने इष्ट को याद करो और अपने आप को भगवान के चरणों में समर्पित कर दो,और कहो कोई भगवन मेरा कोई सहारा नहीं है, मैं आपके के सहारे हूं,जो चाहे सो करो। प्रभु कभी बुरा नहीं होने देते है। कथा के प्रारंभ व अंत में मुख्य आयोजक गोरधन बड़ाया ने परिवार सहित रामकथा की पूजा की व आरती उतारी। बड़ाया ने बताया कि महोत्सव के तहत शुक्रवार को षिव-पार्वती विवाह,29 को श्री राम जन्मोत्सव व बधाईयां,30 को राम जनाकी विवाह महोत्सव,31 को वन गमन,1 को भरत मिलाप,2 को नवधा भक्ति व अंतिम दिन 3 को रावण वध,राजतिलक की कथा सुनाएंगे। कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से 6 बजे तक होगी।